RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 14 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 11 सितम्बर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

मोदी-धामी का नाम लेकर भाजपा की नैय्या पार हुई

बागेश्वर उपचुनाव के बाद लोक सभा चुनाव की तैयारी पर जुटे

कार्यालय प्रतिनिधि

बागेश्वर विधानसभा सीट के उपचुनाव के बाद नेता और पार्टियां अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट चुके हैं। बागेश्वर चुनाव परिणाम के मायने भी निकाले जा रहे हैं। उपचुनाव में विपक्ष कम नहीं दिखाई दे रहा था परन्तु मतदान के अन्तिम क्षणों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर धामी का नाम लेकर जिस प्रकार से भाजपा कार्यकर्ता हाबी हुए वह पार्वती देवी के जीत का रास्ता तय कर गया।

भाजपा की पार्वती दास, कांग्रेस के बसन्त कुमार, सपा के भगवती प्रसाद, यूकेडी के अर्जुन देव, उपपा के भगवत कोहली इस चुनाव मैदान में थे और बसन्त कुमार के तेवर कांग्रेस के साथ मिलकर जीत के लिये तीखे बने हुए थे लेकिन भाजपा की पार्वती दास के साथ दिवंगत चन्दन राम का नाम जुड़ा था और उनकी पार्टी का नेटवर्क इस चुनाव को एकतरफा करने के लिये जुटा हुआ था। चुनाव का परिणाम चम्पावत उपचुनाव की तरह एकतरफा होने की हवा बन चुकी थी लेकिन कांग्रेस के तगड़े कार्यकर्ताओं के कारण टक्कर मतदान के अन्तिम क्षणों तक रही। पार्टी चुनाव कार्यालय भी खुले और झण्डे भी लगे। चम्पावत उपचुनाव में तो झण्डे तक नहीं लग सके थे। मतगणना के शुरुआती दौर में पिछड़ने के बाद भाजपा की पार्वती देवी ने लगातार बढ़त बनाए रखी। कांटे की टक्कर के बाद भाजपा जीत तो गई है लेकिन उपचुनाव से यह सभी को एहसास हो गया है कि लोक सभा चुनाव में कड़ा मुकाबला होगा।

पंचम पुण्यतिथि

स्व.कमला उप्रेती

(सम्पादक- पिघलता हिमालय)

16.11.1952 - 15.9.2018

आपकी ममतामयी छाँव में ही हमने दुनिया को जाना। आपकी दूरदृष्टि, त्याग-तपस्या हमारी बुनियाद है। आपकी प्रेरणा से ही हम अपने मिशन पर अडिग हैं।

पंचम पुण्यतिथि पर नमन।

समस्त परिजन
एवं
पिघलता हिमालय परिवार

चुनाव के बहाने खूब गरजे थे नेतागण

मोदी के आह्वान पर किया रिवर्स पलायन : कोश्यारी

महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि हमें आत्मनिर्भर गाँवों के उद्देश्य पर कार्य करने के लिये स्वरोजगार की ओर ध्यान देना होगा। वह बागेश्वर उपचुनाव को देखते हुए यहा पहुँचे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर उन्होंने रिवर्स पलायन किया व अपने राजय में आ गया हूँ। कहा कि इण्डिया गठबन्धन बनाएं या कुछ और, आएंगे तो मोदी ही।

ये चुनाव उत्तराखण्ड के लिये कामयाब होगा : धामी

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि बागेश्वर का ये चुनाव 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने में कामयाब होगा। जनता का प्रधानमंत्री मोदी पर पूरा भरोसा है।

ठप हो चुका बागेश्वर का विकास : सुमित हृदयेश

हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने उपचुनाव में कहा कि पिछले कई वर्षों से बागेश्वर का विकास ठप हो चुका है। जिससे स्थानीय लोग बहुत परेशान हैं। उन्होंने चुनाव में भाजपा द्वारा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया।

भाजपा ने बेरोजगारों को खूब छला है : हरीश रावत

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता और बेरोजगारों को खूब छला है। भर्तियों के नाम पर घपले किसी से छिपे नहीं हैं। भाजपा के जादूगर बड़ी बड़ी उपलब्धियां गिना रहे हैं। इस चुनाव में भी भाजपा ने पूरी मनमर्जी करते हुए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया है।

चन्द्रयान से भारत ने दुनिया को दिखा दिया : महाराज

कबीना मंत्री सतपाल महाराज कहते हैं मंत्री चन्दन राम दास ने बहुत काम किया है, जिसका लाभ उपचुनाव में पार्टी को होगा। उन्होंने कहा चन्द्रयान की सफल लैंडिंग

शेष पृष्ठ 5 पर

माँ कोटगाड़ी : बृजवाल शौकाओं की कुलदेवी

जगदीश सिंह वृजवाल

माँ भगवती शक्ति स्वरूपा कोटगाड़ी देबी का मन्दिर बागेश्वर, थल, डीडीहाट मानसरोवर यात्र मार्ग के बीच कोटमन्या से उतर दिशा से पांखू कस्बे तक जीप, कार, टैक्सी से भी पहुँचा जा सकता है। पांखू कस्बे से मात्र 500 मी. की दूरी पर माँ कोटगाड़ी (कवटगेरि देबि, जोहारी बोली) मन्दिर स्थित है तथा यहाँ पहुँचने का दूसरा रास्ता थल कस्बे से पश्चिम की और चलने पर आगे मुख्य मार्ग में बरड बैंड से पांखू के लिए अलग लिंक रास्ते से माँ कोटगाड़ी (मां कोकिला) मन्दिर लगभग पाँच-सात किमी दूरी तय कर मन्दिर तक आसानी से पहुँचा जा सकता है। देबी भगवती का अन्य पुरातन नाम माँ कोकिला देबी से भी जाना जाती है। कोर्टगाडी का शाब्दिक अर्थ कोर्ट + गढ़ी अर्थात जहाँ न्याय का दरबार लगता है जिस मन्दिर में न्याय की देबी का वास है ब्रिटिश शब्द कोर्ट (न्यायालय) इस बात का संकेत देता है कि कालान्तर में ब्रिटिश काल में अप्रत्याशित घटनाओं के चलते कोर्ट नाम की मान्यता मिली हो, जो बाद में कोर्टगढ़ी का अपभ्रंश कोटगाड़ी हो गया।

पांखू घाटी में बृजवालो का शीतकालीन प्रवास प्राचीन काल से रहा था यहाँ शौकाओं की एक उपजाति बृजवाल जाति के लोग विभिन्न तोको में अपनी बसासत करते थे। पांखू, मसूरिया, चौंसला, कोटगाड़ी , तोराथल, फलियांटी, दोबगरा इन स्थानों में रहकर आस-पास के गाँव में नमक, ऊनी वस्त्र, जड़ी-,बूटी आदि सामग्री का व्यापार सदियों से करने के साथ-साथ तिब्बत हेतु अनाज का भण्डारण कर तिब्बत भी पहुँचाते भी रहे थे।

आज भी राजकीय अभिलेखागारों के अभिलेखों में इन स्थानों के भूमिधरों के नाम में बृजवालो का उल्लेख अवश्य होगा।

पांखू में निवास करने वालों को पोखपाल राठ (पांखू), कोटगाड़ी के पास रहने वालों को कोटगाड़ी राठ (कोटगाड़ी) गाँव के भदुवा राठ के अन्तर्गत आज भी दो राठ आज भी उस घाटी से सम्बन्धित है तथा सयाना राठों की बसासत आज भी पांखू घाटी में यथावत है जो मसूरिया, तोराथल, फलयांटी, दोबारा में रहते हैं।

कोटगाड़ी माँ भगवती के विषय में कहा जाता है कि सर्वप्रथम कोटगार जाति के व्यक्ति द्वारा मन्दिर की स्थापना की गई। माँ भगवती द्वारा सपने में आकर इच्छा जाहिर स्थापित होने के लिए कही थी। अन्य जनश्रुति के अनुसार यह भी कहा जाता है कि मन्दिर के आसपास इस क्षेत्र में अक्सर गाँव वालों को पत्थर पर बैठी हुई या आसपास टहलते सुन्दर बालिका दिखाई देती थी, अन्ततः शक्ति पीठ स्थापित स्थान पर लुप्त हो गयी थी। गाँव के प्रमुख व्यक्ति के सपने में आकर जलकुण्ड में समाहित होने की बात कही देवी द्वारा सपने में की गई। तब उस स्थान पर मन्दिर स्थापित किया गया और माँ भगवती रूपा की पूजा आराधना विधिवत की जाने लगी जो निरन्तर आज तक विद्यमान है।

माँ कोटगाड़ी भगवती अन्याय के प्रति न्याय की देवी व

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अतिक्रमण

उत्तराखण्ड में चारों ओर अतिक्रमण हटाओ अभियान के साथ ही विरोध प्रदर्शन भी दिखाई दे रहा है। कोर्ट के साफ निर्देश हैं कि हाईवे से लगे अतिक्रमण हटाए जाएं, इस पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते मशीनों के साथ जगह-जगह तोड़फोड़ शुरु कर दी है। वन भूमि पर अतिक्रमण हटाने का काम भी जारी है। अतिक्रमण हटाए जाने चाहिये लेकिन क्या वह अतिक्रमण भी हटेंगे जिनकी जड़ जमने से शहरों में जलभराव हो रहा है, जिनसे जंगलों को नुकसान हुआ है, जिनसे यातायात व अन्य व्यवधान हुआ है, जो सफेदपोशों के संरक्षण में खुलेआम किये गये हैं। अभी तक चलाये गये अभियान में वन भूमि में कब्जे हटाने के अलावा तालाबों और कुंओं पर हुए अतिक्रमण हटाए गए हैं। हाईवे पर दुकानों-भवनों पर तोड़फोड़ की गई है। दुकानों-भवनों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई के विरोध में जगह-जगह गुस्सा भी है। व्यापार मण्डल और विपक्षी पार्टियां अतिक्रमण चिन्हीकरण को आतंक का पर्याय बता रही हैं। भीमताल, रामनगर में बाजार बन्द का विरोध हुआ है। हल्द्वानी, भवाली, नैनीताल, गरमपानी, बेतालघाट में विरोध किया गया है। अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ सहित तमाम जगह अतिक्रमण के नाम पर हो रही कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा गया है कि जैसे-तैसे सड़क किनारे अपनी रोजी-रोटी का जुगाड़ करने वालों को उजाड़ना उनके अधिकारों का हनन है। जिन लोगों ने सड़क के लिये अपनी भूमि दी आज उन्हें ही सड़क किनारे से हटाया जा रहा है।

अतिक्रमण की बात करें तो बहुत साफ दिखाई देता है कि अपने बोट बैंक के लालच में बस्तियां बसा दी गईं, जंगल कटवा दिये गये, नाले घिरवा दिये गये, खड़ंजों को घेर लिया गया। इन सबसे हटकर बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं ने हाईवे पर अपनी रोजी-रोटी के लिये ढाबे-ठेले-छुटपुट निर्माण भी किये हैं। रोजगार के लिये किये गये इस प्रयास को उन अतिक्रमणों की श्रेणी में नहीं गिनना चाहिये जिनकी नीयत ही कब्जा करना हो। अतिक्रमण जरूर हटने चाहिये लेकिन रोटी के लिये पहाड़ के हाईवे से लगी भूमि पर जैसे-तैसे अपने पेट पालने की व्यवस्था करने वालों का उपाय भी हो जाए। अतिक्रमण अभियान के विरोध का कारण भी यही है क्योंकि जिन्हें चिन्हित किया गया है उनके पास रोजी-रोटी का कोई विकल्प नहीं है।

पर्वतीय महासभा का विवाद जल्द खत्म करने का निर्णय लिया गया

काशीपुर। देवभूमि पर्वतीय महासभा में चल रहे विवाद और रामलीला मंचन को लेकर हुई बैठक में विवाद को जल्द समाप्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही पर्वतीय रामलीला मंचन के लिए बी.सी.भट्ट को संयोजक बनया गया। कुण्डेश्वरी रोड स्थित शिवाल रिसार्ट में हुई बैठक में महासभा में चल रहे विवाद पर चर्चा हुई। निवर्तमान अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह जीना ने कहा कि मामला कोर्ट में विचाराधीन है इसलिये साज सज्जा व अन्य सामान नियमानुसार गठित कमेटी के अध्यक्ष को ही सौंपा जाएगा। इस बीच निर्णय हुआ कि निवर्तमान उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी को छह माह के लिए कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाए, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह जीना रामलीला मंचन के संयोजक रहेंगे। बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों पक्षों के बीच जो भी विवाद कोर्ट में चल रहा है उस पर सुलह कर ली जाए। कोर्ट में भी सुलहनामा लिखकर दे दिया जाए।

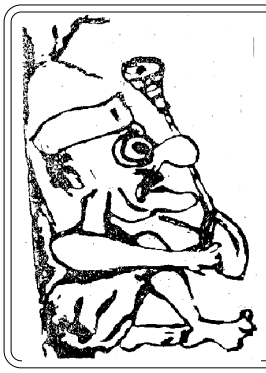

फसक

दाज्यू, फोड़ाफोड़ ही अन्तिम रास्ता ठैरा

लोकसभा चुनाव से पहले खूब पगल्योट होती रहेगी बल

दाज्यू, रुद्रपुर मेडिकल कालेज में 14 भवनों का ढांचा ध्वस्त कर नये सिरे से काम होगा। सचिव स्वास्थ्य ने निर्माण करने वाली इंपीआईएल कम्पनी को 50 करोड़ में से खर्च हुए 30.78 करोड़ रुपये व्याज सहित लौटाने का आदेश दिया है। दाज्यू, क्या किया जाए? फोड़ाफोड़ ही अन्तिम रास्ता ठैरा। कम्पनी का चयन होना और कम्पनी को काली सूची में डालना, ये सब हमारी समझ से बाहर की बातें ठैरी। किसको क्या कहें, अक्तर की गोली से झूमने वाले कई हुए। ऐसे ही एक बालक को पुलिस ने पकड़ लिया है। यह नैनीताल को बम से उड़ाने की धमकी दे रहा था। पकड़ के बाद हिजबुल मुजाहिदीन ने जिम्मेदारी ली है बल। आन्ध्र प्रदेश से पकड़ा गये बालक का नाम नितिन शर्मा है जो धर्म परिवर्तन कर खालिद नाम से आन्ध्र में ही रहता था। इसने 100 नम्बर पर कॉल कर पुलिस को कई बार धमकी भी दी थी।

दाज्यू, बागेश्वर चुनाव निपटाने के बाद हमें भाबर घूमने का मन करा और हल्द्वानी आ गये। हमें क्या पता भाबर में इतनी ज्यादा भबर्योव है। कब्रिस्तान का गेट बेचने के लिये जा रहे मकसूद को पुलिस ने पकड़ रखा था। भूरे मियाँ ने बताया- 'कब्रिस्तान का गेट चोरी होना नई बात नहीं है। भाबर में सबकुछ बिक जाता है।' दाज्यू, हमें घबराहट होने लगी है क्योंकि लोकसभा चुनाव सामने है और बिकने-बिकाने की बात तीर की तरह चुभ रही है। सुना है फोड़ाफोड़ के डर से भी चुप कर जाते हैं लोग। लोकसभा चुनाव से पहले खूब पगल्योट होती रहेगी बल। इन दिनों डेंगू फैल रहा है।

पोस्ट आफिसों में भी डक्कम-डक्कम डकार मारने वाले पहले से आते रहे हैं। अल्मोड़ा जिले के एक पोस्ट आफिस में जमा रकम डकारने पर पोस्टमास्टर की जाँच शुरु हो गई है। उन्हें निलम्बित कर दिया गया है बल। बहुत कठिन होता जा रहा है डाक का काम भी। इसे पवित्र कार्य मानते थे डाकिया। हमारा पड़ोसी हर्षित सविदा पर है और डाक बांटने में घोर लापरवाही कर रहा है। पूछने पर कहना लगा- 'जिसकी डाक है वह जाने। हम गेट से सरका देते हैं। पता कौन ढूंढते रहे पड़ोस में रख देते हैं।' दाज्यू, किसी पर भरोसा नहीं। इस लिये कह रहे हैं कि डाकिया चाहे कोई हो उसे अपनी घर की देहरी का पता बता दें ताकि सकुशल डाक पहुँच सके।

दाज्यू, हाईकोर्ट ने दून विश्वविद्यालय में वित्तीय अनियमितता के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए छह महीने में रिपोर्ट मांगी है। अब कोर्ट में विस्तृत रिपोर्ट पेश होगी बल। खाद्य विभाग को 78219.50 क्विंटल चावल नहीं लौटाने वाली 21 चावल मिलों को काली सूची में डालने की तैयारी है। दाज्यू, बहुत खपड़्योव हो रही ठैरी। सरकार सरकारी क्रय एजेंसी और कमीशन एजेंट के माध्यम से किसानों से धान खरीदती हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग राइस मिलों को करने के लिए देता है। इसके बाद मिलों से एक क्विंटल धान के एवज में 67 प्रतिशत चावल वसूल करता है बल। जुलाई तक तय समय सीमा पर मिलों ने विभाग को चावल नहीं लौटाया।

ये तो मिल वाले हैं, नेता कौन सा क्या लौटा रहे हैं। पूर्व मंत्री हरक सिंह रावत की आफत मच गई है। उनके बेटे के कालेज और पेट्रोल पम्प पर छापे के बाद हरक बोले-'यह राजनीति से प्रेरित है। हम इससे घबराने वाले नहीं हैं।' दाज्यू, हम तो बार-बार कह रहे हैं- फोड़ाफोड़ा ही अन्तिम रास्ता ठैरा। लीसा तस्करों ने पुलभट्टा थाने के पास पुलिस बैरियर पर कार चढ़ा दी। पुलिस ने पीछा किया तो बहेड़ी में टोल का बैरियर भी तोड़ दिया। दाज्यू, नाचनी में भी गजब हो गया। राजकीय इण्टर कालेज भैंसकोट के पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य ने गर्भवती प्रधानाचार्य व महिला प्रवक्ता से मारपीट कर दी बल। पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य को गिरफ्तार करना पड़ा। अगले दिन स्कूल के ताले टूटे मिले, इस पर भी जाँच चल रही है। दाज्यू, चोरी-चकारी के अलावा क्या-क्या नहीं हो रहा है दुनिया में? हल्द्वानी के रामपुर रोड स्थित गायत्री होटल में वैश्यावृत्ति करने वाले पकड़े गये। यहाँ पहले भी पकड़-धकड़ हुई थी। बड़े-बड़े होटलों में डीलिंग वाले आते रहते हैं बल। बदहवाश लोग कुछ भी कर सकते हैं। रुद्रप्रयाग के एक गाँव में मनोरोगी युवती से प्रधान और उसके साथियों ने दुष्कर्म कर डाला।

नैनीताल की नैनी झील से खतरनाक मछलियों को निकालने का काम हो रहा है बल। दाज्यू, मछलियां तो निकल जाएंगी लेकिन.....क्या हो जाएगा? खतरे की आहट से दुनियादारी तैरने लगी है। सोशल मीडिया से मन बहलाने वाले क्या जानें दुनिया में कितना जहर भर चुका है। शिऽबो मछली बेचारी। दाज्यू, हम रामलीला की तालीम में व्यस्त हैं। अपना ख्याल रखना। मनहर रामलीला कमेटी की ओर से आपको न्यूता। जरूर आना।-तुम्हारा भुली झकरुवा

माँ कोटगाड़ी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

सन्तानहीन महिला को सन्तानोत्पत्ति का सुख भी आराधना से प्राप्त हो जाता है तथा पाँच पीढ़ी तक न्याय देने के विषय में कहा जाता है। निसन्तान दम्पत्ति यहाँ आकर दिप प्रज्वलित कर रात भर जागरण कर माँ का स्मरण कर मन्नतें मांगती है तो उसे सन्तान की प्राप्ति हो जाती है।

देवी माँ के मूर्ति दर्शन के विषय में कहा जाता है मूर्ति को प्रच्छन्न पट से परिविष्ट कर रखा गया है जिस कारण देबी के वस्त्रविहीन अंग का दर्शन नहीं किया जा सकता है शक्ति पीठ जल कुण्ड के बीच स्थापित होना बताया जाता है। मन्दिर से निकलने वाले जल निष्कासन होकर जलधारा में प्रविष्ट तथा लोगों द्वारा स्नानादि के बाद प्रात: पूजा -पाठ का विधि विधान प्रारम्भ होता है। इसके आसपास सशक्त देव भाई माने जाने वाले सुरमल व छुरमल का मन्दिर भी स्थापित है। यहाँ से 500 मी. दूर पांखू कस्बे में गोलू देवता का भी मन्दिर है। माँ कोटगाड़ी मन्दिर पहुँचने से पूर्व 200 मी की दूरी पर भनरिया गाड मे भैरौ मन्दिर स्थापित है मुख्य मन्दिर में पूजा-पाठ कर लोग भैरों मन्दिर पहुँचते हैं जहाँ बकरे व पक्षी की बलि दी जाती है पुरोहित ही पूजा विधि से सम्पन्न करता है। भूनरिया देव के विषय में कहा जाता है कि न्याय की गुहार लगाने वाला/वाली व्यक्ति माँ कोटगाड़ी का स्मरण कर यही पर घात डालता है तो यहाँ पहुँचकर आवेश के साथ दु:खी मन से माँ कोटगाड़ी देबी अन्य सम्बन्धित देवतागण का स्मरण कर मन्दिर को कभी तोड़फोड़ करते भी नजर आते है तथा यहाँ से निशान लाकर भी दुश्मन के घर के आगे गाढ़ देने का भी चलन पूर्व से है।

कोटगाड़ी देवी जो साक्षात देवी के रूप में ख्याति प्राप्त है घात के नाम से लोगों का रूह आज भी काँप जाता है हफ्ते, महीने भर में ही प्रतिक्रिया देखने के विषय में जनश्रुतियां है प्रतिपक्ष की जनधन की हानी के अतिरिक्त कुछ न्याय मांगने वाले की हानी होने की शंका रहती है तब तुरन्त दोनों पक्ष समझौता कर लेते हैं। माँ दोनों की बीच समझौता कर फिर से एक होने तथा सद्व्यवहार का नसीहत भी देती है। दोनों ओर से मिलजुलकर पूजा के बाद पूर्ववत सामान्य स्थिति हो जाती है।

जनश्रुति माँ भगवती के मन्दिर में ब्रिटिश काल में एक अंग्रेज अधिकारी मन्दिर में पहुँचने पर लोगों से विषय की जानकारी लेकर उन्हें रूढवादी धारणाओं पर नसीहत देते जा रहे थे तभी माँ कोटगाड़ी ने अपनी शक्ति प्रभा से अंग्रेज अधिकारी की बैठा कुर्सी उलट दिया उसके कुर्सी सिर में चला गया, चमत्कार से वह अत्यधिक घबरा माफी याचना कर न्याय के रूप में मान्यता देने का भी बाते लोगों के बीच कहीं जाती है जो किंवदंतियां है।

मां कोटगाड़ी भगवती मन्दिर में चैत्र अष्टमी या असोज के अष्टमी में लोक उत्सव धूमधाम से मनाने का भी प्रचलन अतीत में था। दूर-दूर से लोग मेला देखने पहुँचते थे, श्रद्धालू भी मेले में शरीक हो जाते थे। जहाँ रात्रि को मेला लगता था मुख्य मन्दिर प्रांगण में रात भर झोड़ा-चांचरी, भजन कीर्तन के अलावा दुकान, होटल भी सजे रहते थे। अत्यधिक भीड़भाड़ होती थी। आज से तीस चालीस साल वर्ष पूर्व लेखक ने बचपन में जो मेला देखा था, आज सब कुछ परिवर्तित है अब रात्रि का मेला समाप्त हो गया, मेलार्थी न होकर श्रद्धालु पहुँचकर भजन-कीर्तन का जागरण रात्रि भर किया जाता है। उस जमाने में मुख्य मन्दिर के आँगन में ही बलि दी जाती थी, बलि शाम को होती थी तथा सुबह से लोग भोजन व्यवस्था कर दोपहर तक भोजन कर मन्दिर से प्रसादी लेकर सभी श्रद्धालु अपने-अपने घरों को चले जाते थे हमें भी थल कस्बे तक दस-बारह किमी पैदल ही आना पड़ता था।

अतीत से आज तक की जो भी परिवर्तन सामाजिक, धार्मिक दिखाई देती है तो लोगों ने अपनी रीति-रीवाज में सात्विकता का प्रयास किया है जो सराहनीय कदम है। माँ कोटगारी कुलदेबी का चरण वन्दना के साथ कोटि-कोटि नमन करता हूँ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

स्वास्थ्य

आयुर्वेद को बढ़ावा दे सरकार

रतन सिंह किरमोलिया

यह केवल एक कहावत भर नहीं है- सुषेन वैद्य ने लक्ष्मण को शक्ति लगने के बाद द्रोणागिरी पर्वत पर पाई जाने वाली बूटी जिसे 'मृत्संजीवनी बूटी' नाम दिया गया था, उसे लाने की बात कही। कौन लाए इतनी दूर से उस बूटी को, हनुमान इसके लिये तैयार हो गए। उड़ चले द्रोणागिरी पर्वत की ओर और ले आए यह पर्वत गढ़वाल हिमालय की उपत्यका में अवस्थित था और आज भी है। जहाँ ऐसे ही असंख्य जड़ी-बूटियां आज भी मौजूद हैं।

इस बूटी की खासियत है कि इसे संसाधित करके दवा तैयार की जाती है। उसे मृत्प्राय पड़े या बेहोश पड़े व्यक्ति को पिलाया जाए तो वह चन्द क्षणों में जीवित हो उठता है। सुषेण वैद्य ने हनुमान द्वारा लाई गई बूटी से दवा तैयार की और लक्ष्मण को दवा पिलाई। जिससे लक्ष्मण तुरन्त होश में उठ खड़े हुए। यह केवल किंवदन्ती भर नहीं है। एक कहानी भर नहीं है। एक हकीकत है। ऐसी ही असंख्य जड़ी-बूटियां उत्तराखण्ड के पर्वतीय भूभाग में आज भी बहुतायत से पाई जाती हैं। उत्तराखण्ड का पर्वत क्षेत्र इस प्रकार की बहुमूल्य जीवनोपयोगी जड़ी-बूटियों का अकूत भण्डार है।

पहले समय में जब अस्पतालों का प्रचलन नहीं था, आज की तरह दवाओं की दुकानें न थी तब गाँवों में वैद्य हुआ करते थे। वे इन बहुमूल्य जड़ी-बूटियों को वनों में खोज लाते थे। किसी के पत्ते, किसी की छाल और किसी की जड़ काम आती थी। इन्हीं से वे असाध्य से असाध्य रोगों का इलाज किया करते थे। कुछ रोग तो जड़ से खत्म हो जाते थे। जैसे उस समय की टी.बी.।

पुराने समय के इन वैद्यों को पर्वतीय क्षेत्र के वन एवं गाँव-घरों के आसपास पाई जाने वाली इन असंख्य जड़ी-बूटियों का विशद ज्ञान था। यद्यपि आज भी गाँवों में इन जड़ी-बूटियों के जानकार मौजूद हैं परन्तु फिर भी उन पुराने वैद्यों की बनिस्बत आज के वैद्यों को कम जानकारी है। तिस पर यत्रतत्र दवाओं की दुकानों की उपलब्धता एवं शीघ्र आराम पाने के लोभ के कारण लोगों का रुझान दवा की दुकानों की ओर ज्यादा हो गया है और आयुर्वेदिक दवाओं की ओर कम। हाँ, आयुर्वेदिक दवाओं का असर धीरे धीरे होता है और वह बीमारी को जड़ से समाप्त करने की क्षमता रखते हैं।

ये जड़ी-बूटियां सामान्य बीमारियों यथा सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार, सामान्य दर्द, फोड़े फुंसियों, जले-कटे, पेट के रोगों, आँख कान दांतों का दर्द, मधुमेह, पीलिया, मियादी बुखार, मलेरिया, बच्चों के सामान्य रोग, टीबी, कैंसर, खाज खुजली आदि तमाम रोगों का इजला वैद्य लोग इन्हीं जड़ी-बूटियों से तैयार दवाओं से किया करते हैं। तारीफ की बात यह है कि गाँव-घरों में इन जड़ी बूटियों के जानकार पुरुष, महिलाएं मौजूद हैं। जरूरत है इन्हें प्रोत्साहित करने की और इन जड़ी-बूटियों की खेती कर आयुर्वेदिक दवाओं एवं आयुर्विज्ञान को अनिवार्य रूप से प्रोत्साहित करने की। सुदूर गाँवों में जहाँ अस्पताल नहीं है वहाँ इन जड़ी-बूटियों से प्राथमिक उपचार मिल सकेगा और अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। हाँ, बड़े रोगों एवं आप्रेशन जैसी स्थितियों में जरूर बड़े अस्पतालों का सहारा लिया जा सकता है। पहले समय में जानवर हों या मनुष्यों की टूटी हड्डियों तक को जड़ी-बूटियों की दवाओं से जोड़ा जाता था। हड्जोजन, पत्थर जोजन जैसे पौंधे बड़े पातलों में आज भी बहुतायत में मिल जाते हैं। जो टूटी हड्डियों को जोड़ने के उपयोग में जाए जाते हैं।

यद्यपि आज अस्पताल हैं, डाक्टरी इलाज सुलभ है। सरकारी अस्पतालों की दयनीय स्थिति देखते हुए लोग निजी चिकित्सालयों से इलाज करवाने को मजबूर हैं। जबकि ये इलाज बहुत महंगे हैं। सामान्य आय वर्ग वालों के लिये यह इलाज कठिन हो जाता है। ऐसे में स्वास्थ्य सेवाओं में वैद्यकी एवं दाई व्यवस्था को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। जड़ी-बूटी उत्पादन, आयुर्वेदिक दवा निर्माण इकाईयों की स्थापना भी इसके साथ होने से सृजन ही होगा। अंग्रेजी दवाईयों की आदत से भी बचाव होगा।

आस्था

व्यानधुरा : मन्नतें पूरी होने पर धनुष-बाण चढ़ाते हैं श्रद्धालु

सुहानी कोहली

टनकपुर। ऋषि मुनियों एवं देवी देवताओं की तपस्थली कहे जाने वाला उत्तराखण्ड अपनी परम्पराओं के लिए विश्व में प्रसिद्ध है। इस देव भूमि की दिव्यता का वर्णन वेदों और शास्त्रों में देखने को मिलता है। जहाँ वेदों में कुमाऊँ को मानसखण्ड व गढवाल को केदारखण्ड कहा जाता है। वहीं उत्तराखण्ड का ऐसा मन्दिर जहाँ मन्नत पूरी होने पर प्रसाद नहीं बल्कि धनुष बाण चढ़ाए जाते हैं। उत्तरायणी मकर संक्रांति पर्व पर मन्दिर में भारी संख्या में चढ़ाए गए धनुष बाण इसका प्रमाण है, इस मन्दिर का नाम ब्यानधुरा है और यह पहाड़ों के बीच ब्यानधुरा क्षेत्र में स्थित है। इस मन्दिर में ऐड़ी देवता जिन्हें ब्याणधुरा बाबा के नाम से जाना जाता है वह यहाँ विराजमान है। भगवान शिव के 108 ज्योतिर्लिंगों में से एक को यहाँ मान्यता प्राप्त है।

चकरपुर से 15 किलोमीटर दूर जंगल में स्थित है मन्दिर- ब्यानधुरा के रास्ते की शुरुआत टनकपुर से 15 किलोमीटर दूर चकरपुर के सबसे बड़े शिव मन्दिर से शुरू होती है। जंगल का यह रास्ता (जमां) यानी सागौन से भरा है और रास्ते में जंगली जानवरों का डर भी रहता है। मन्दिर के प्रवेश द्वार पर ऐरी देवता की संगमरमर की मूर्ति लगी है और इसके पीछे सिद्ध गोरखनाथ की अखण्ड धूनी हरदम जलती रहती है। इसी के नजदीक शिव शक्ति दिखाई देती है साथ ही मन्दिर के चारों ओर तीर धनुष और कई प्रकार के अस्त्र-शस्त्र मिल जाते हैं।

ब्यानधुरा मन्दिर की चोटी का आकार धनुष के समान-

ब्यानधुरा शब्द का अर्थ है बांध की चोटी, और जिस पहाड़ की चोटी पर यह मन्दिर स्थित है उसका आकार धनुष के समान है।

मना जाता है कि पाण्डवों की शरण स्थली रहस्य मन्दिर में ऐरी देवता विराजमान है, वैसे तो कुमाऊँ में ऐरी देवता के कई मन्दिर स्थापित है। लेकिन सभी मन्दिरों में इस मन्दिर की पौराणिक मान्यता अलग है। जिसके चलते इसे देवताओं की विधानसभा भी माना जाता है। ब्यानधुरा मन्दिर में स्थित ऐड़ी देवता कालान्तर में राजा ऐड़ी लोगों द्वारा पूजे जाते रहे हैं। इस मन्दिर में राजा ऐड़ी ने तपस्या की थी और अपने तप के बल से शक्ति को प्राप्त किया था। राजा हरि धनुष विद्या में काफी निपुण थे और उनका एक रूप महाभारत काल में अर्जुन रूप अवतार लिया, पाण्डवों ने अज्ञातवास के दौरान इस क्षेत्र में अपना निवास स्थान बनाया था साथ ही अर्जुन ने यहीं पर अपने गाण्डीव धनुष को पहाड़ी की चोटी के पत्थर के नीचे छुपाया था जो आज भी मौजूद है। पहाड़ों के बीचो-बीच यह मन्दिर केवल मान्यताओं के लिए ही नहीं बल्कि अपने मनोहर दृश्य के लिए भी जाना जाता है। यह मनोरम प्राकृतिक सौन्दर्य से चारों ओर भरा हुआ है। ब्यानधुरा मन्दिर अपनी पौराणिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण स्थान है यहाँ के सुन्दर नजारे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

ज्योतिष की बातें - 143

15 सितम्बर 2023 को मंगल सिंह राशि में अस्त हो जाएगा अतः अगले चार माह तक मंगल अपने कारक विषयों में किसी भी जातक को शुभाशुभ फल प्रदान करने में असफल रहेगा।

16 सितम्बर 2023 को अभी तक वक्री चल रहा बुध सिंह राशि में मार्गी हो जाएगा अतः बुध अपने कारक विषयों में शुभाशुभ फल सभी जातकों को स्वाभाविक रूप से प्रदान करेगा । सभी जातकों की बुद्धि भी अब अनुकूल दिशा में प्रवाहित होगी।

17 सितम्बर 2023 को सूर्य स्वराशि सिंह से निकलकर समग्रह की राशि कन्या में प्रवेश करेगा। वहाँ पर मंगल से युति भी रहेगी लेकिन मंगल अस्त होने के कारण मंगल का प्रभाव शून्य रहेगा। अन्य कोई शुभाशुभ दृष्टि सूर्य पर नहीं होगी। अतः अगले एक माह सूर्य अपने कारक विषयों जैसे - स्वास्थ्य, साहस, सफलता, नेतृत्व क्षमता आदि में कर्क, मेष, धनु व वृश्चिक राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 34

हिन्दी भाषा की वर्तमान स्थिति

पहले यह विचार करें कि हिन्दी भाषा किसे कहते हैं! अवधी, बुन्देलखण्डी, ब्रजभाषा, भोजपुरी, राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी, बम्बैया हिन्दी, बंगाली हिन्दी आदि उत्तर भारत की बहुत सी भाषाएँ हैं। इनमें से हिन्दी भाषा वास्तव में किसे कहते हैं! सूक्ष्मता से विचार करें तो किसी भी स्थान की स्थानीय बोली को हिन्दी नहीं कहा जा सकता है। हिन्दी किसी भी राज्य में स्थानीय स्तर पर नहीं बोली जाती है। बल्कि वर्तमान में पूरे देश में सम्पर्क भाषा के रूप में जो 'खड़ी बोली' प्रचलित है उसे हिन्दी भाषा कहा जाता है।

यह हिन्दी भाषा सम्पूर्ण उत्तर भारत में लोग समझ सकते हैं, लिख सकते हैं, पढ़ सकते हैं। दक्षिण भारत के एक दो राज्यों को छोड़कर सभी जगह लोग हिन्दी समझते हैं, लिख भी सकते हैं। इसके अतिरिक्त भारत के बाहर पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, भूटान, इंडोनेशिया, मालद्वीप, श्रीलंका, नेपाल, आदि लगभग 20 देश के लोग हिन्दी समझते हैं। हिन्दी बहुत तेजी से पूरे विश्व की सम्पर्क भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो रही है। इसका श्रेय वास्तव में हिन्दी फिल्मों को और हिन्दी साहित्यकारों को देना चाहिए।

इसके साथ ही दूसरा पक्ष भी है कि वर्तमान में हिन्दी का स्वरूप तेजी से बिगड़ता जा रहा है। जब से अंग्रेजी का प्रचलन बढ़ा है और सोशल मीडिया में हिन्दी को देवनागरी लिपि छोड़कर लैटिन भाषा में लोगों ने लिखना प्रारम्भ किया है तब से हिन्दी शब्दों का उच्चारण और उसकी वर्तनी बिगड़ती जा रही है। यदि हमें हिन्दी को उसके वास्तविक स्वरूप में बचाए रखना है तो हम हिन्दी दिवस 14 सितम्बर को यह प्रण करें कि हम हिन्दी को देवनागरी लिपि में ही लिखेंगे और स्पेलिंग मिस्टेक अर्थात् वर्तनी त्रुटि यथासम्भव नहीं करेंगे।

-सरल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सावधान! नदी-नालों में मकान बनाने पर डीडीए ध्वस्त कर देगा

हल्द्वानी। जुलाई-अगस्त में हुई बारिश से रकसिया और कलसिया नालों के उफनाने से हुई तबाही के बाद प्रशासन एकदम सख्त है। जिला विकास प्राधिकरण अब नदी, नालों के रास्तों और तलहटी में मकान बनाने वालों को छोड़ेगा नहीं, ऐसे मकान ध्वस्त कर दिये जायेंगे। इसके लिये सम्बन्धित सरकारी महकमों को भी कह दिया गया है।

जिलाधिकारी वन्दना सिंह ने जिला विकास प्राधिकरण की संयुक्त सचिव ऋचा सिंह को निर्देश दिये हैं कि चिन्हित नालों, बरसाती नालों, नदी आदि की तलहटी में निर्माण चिन्हत कर कार्रवाई की जाए और नये निर्माणों पर रोक लगाई जाए। इसके बाद सिटी मजिस्ट्रेट ने शहर व सटे हुए इलाकों में चिन्हीकरण अभियान शुरु कर रखा है। बताया जा रहा हे कि सिंचाई नहरों और प्राकृतिक स्रोतों पर अतिक्रमण के मामले भी इसमें पकड़ में आए हैं। इस प्रकार के सभी कब्जों व निर्माण की रिपोर्ट तैयार कर प्रशासन को सौंपी जायेगी ताकि इनका ध्वस्तीकरण कार्रवाई हो।

नन्दाबल्लभ पाण्डे की पुस्तकों का विमोचन

नैनीताल। ज्योलीकोट निवासी वयोवृद्ध साहित्यकार नन्दाबल्लभ पाण्डे की दो पुस्तकों का विमोचन समारोह पूर्वक किया गया।

राजकीय इण्टर कालेज ज्योलीकोट में प्रधानाचार्य कुन्दन सिंह जी की अध्यक्षता में हुए समारोह में श्री पाण्डे की नवीन कृतियां 'प्रेरणादायक किस्से कहानी' और 'आपणी आपबीती' का विमोचन किया गया। इस अवसर पर श्री पाण्डे की स्वयं की रचित कुछ कविताओं का वाचन किया।

रानीखेत में नन्दा उत्सव की तैयारी

रानीखेत। माँ नन्दा-सुनन्दा देवी उत्सव की तैयारी चल रही है। 20 से 27 सितम्बर तक नन्दा देवी महोत्सव समिति द्वारा कराये जाने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है। समिति के अध्यक्ष हरीश लाल साह की अध्यक्षता में हुई बैठक में भुवन चन्द्रा साह, मुकेश साह, किरन लाल साह, प्रमोद काण्डपाल, जयन्त रौतेला, अनिल पाण्डे, पंकज साह मौजूद थे।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग

डीडीहाट। स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने की मांग को लेकर कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे आन्दोलन को सभी संगठनों का समर्थन मिला है। क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से धरना स्थल पर आकर अपने विचार रखने वालों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के कारण ही पलायन है और किसी भी स्वास्थ्य सम्बन्धी मामले के लिये बाहर जाना पड़ता है। इसलिये सरकार प्राथमिकता से स्वास्थ्य सुविधाएं दुरुस्त करे।

वन विभाग की कार्रवाई से गुस्सा

रामनगर। रानीखेत रोड के व्यापारियों के एक शिष्टमण्डल ने विधायक दीवान सिंह बिष्ट से मिलकर रामनगर वन विभाग द्वारा हाईकोर्ट के आदेश की आड़ में किये जा रहे उत्पीड़न को रोकने की मांग की। कहा कि हाईकोर्ट के आदेश हम पर लागू नहीहं होता है। हम राष्ट्रीय राजमार्ग से 309 से बहुत दूर हैं। कई स्थानों पर तो यह दूरी सड़क से 70 फीट तक है। 1970 के दशक में रामनगर वन विभाग ने लीज पर वन भूमि दी थी, लीज समाप्ति के बाद कई बार नवीनीकरण करने के प्रयास किये गये लेकिन फाइल ही गायब कर दी।

भीमताल की ६ सड़कों को स्वीकृति

भीमताल। विधायक रामसिंह कैड़ा ने बताया है कि क्षेत्र के ओखलकांडा ब्लाक के लमगड़ा, बेडुखेत, डनशीली, डालकन्या के भोलापुर शिव मन्दिर, मलूवाताल, दिगोली, सेरा सड़कों की स्वीकृति मिल चकी है।

हल्द्वानी में जेबरा क्रॉसिंग की तैयारी

हल्द्वानी। भारी जन दबाव से तंग हो चुके हल्द्वानी शहर में अब जेबरा क्रॉसिग बनाने की तैयारी हो रही है। लोनिवि की ओर से शहर के 14 चाराहों पर जेबरा क्रॉसिंग के साथ ही ट्रैफिक लाइट से लैस करने की योजना है। इन चौराहों का चौड़ीकरण भी होगा। इस कार्य के लिये 16.50 करोड़ रुपये की लागत आनी है। जिसकी डीपीआर तैयार कर ली गई है। शहर के जिन चौराहों का चौड़ीकरण होगा उनमें- देवलचौड़, यातायात नगर, सिन्धी चौराहा, मुखानी चौराहा, कुसुमखेड़ा चौराहा, लालडांठ तिराहा, कमलुवागांजा तिराहा, कमलुवा गांजा रोड, लामाचौड़ चौराहा, ऊंचापुल, कठघरिया चौराहा, पंचायतघर चौराहा, कॉलटैक्स तिराहा, नरीमन चौराहा, काठगोदाम रेलवे फाटक से नरीमन मार्ग शामिल हैं। दूसरी ओर 70 लाख की लागत से मण्डी चौराहा से नरीमन चौराहा काठगोदाम तक की 8 किमी की सड़क गड्डा मुक्त होनी है। पूर्व में 12 करोड़ की लागत डामरीकरण किया गया था लेकिन गैस लाइन बिछाने के लिये सड़क खोद डाली गई। रोड कटिंग के लिये प्राप्त 70 लाख की धनराशि में से अब यह कार्य होना है।

रोंग्पा भाषा संदर्भित कार्यशाला

उत्तरकाशी। रोंग्पा भाषा सन्दर्भित निर्माण एवं पाठ्य पुस्तकों की अनुवाद सम्बंधी 5 दिवसीय कार्यशाला का समापन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थन गौचर में हुआ। विभिन्न विद्यालयों के 25 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधान के अनुसार कक्षा 5 तक की शिक्षा अनिवार्य रूप से मातृभाषा में दी जाए। इसी परिप्रेक्ष्य में विकासखण्ड जोशीमठ और विकासखण्ड दशोली में रोंग्पा बाहुल्य क्षेत्रों में कार्यरत शिक्षकों का यह प्रशिक्षण करवाया था।

डंपिंग जोन के विरोध में ग्रामीण

कर्णप्रयाग। कर्णप्रयाग-नैनीसैंण मोटर मार्ग पर मोवाणी गधेरे में कूड़ा डम्पिंग जोन को लेकर ग्रामीणों ने विरोध किया है। नगर पालिका द्वारा इस क्षेत्र को डम्पिंग जोन प्रस्तावित किया गया, जिसके विरोध में कपीरी पट्टी विकास संघर्ष समिति ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए डम्पिंग जोन ने बनाने को कहा।

थल तहसील भवन का क्या होगा?

थल। तहसील भवन निर्माण कार्य के लिये बजट स्वीकृत न होने से क्षेत्रवासियों में भारी रोष है। नाराज लोगों ने धरना प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा और शीघ्र बजट स्वीकृत कर निर्माण कार्य प्रारम्भ करने की मांग की है।

अस्थाई तहसील कार्यालय में एकत्र क्षेत्रवासियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि थल तहसील बने हुए सात साल हो चुके हैं लेकिन इसका अपना तहसील कार्यालय नहीं है। सूचना विभाग के कमरे में यह कार्यालय चल रहा है। ज्ञापन में तहसील भवन के अतिरिक्त मार्ग चौड़ीकरण करने, थल को विकासखण्ड का दर्जा दिये जाने की मांग की गई है। भेजे गये ज्ञापन में ग्राम प्रधान दीपा वर्मा, व्यापार मण्डल के संरक्षक दान सिंह बिष्ट, सलीम अहमद, क्षेत्र पंचायत सदस्य पंकज भैसोड़ा, विनोद सत्याल के हस्ताक्षर हैं।

परिक्रमा

नैनीताल ठण्डी सड़क का ट्रीटमेंट होगा

नैनीताल। सरोवर नगरी की ठण्डी सड़क के ट्रीटमेंट के लिये शासन ने 12 करोड़ के प्रोजेक्ट को वित्तीय स्वीकृति के साथ ही 5 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। सिंचाई विभाग इसके टेण्डर के साथ ही कार्य शुरु करने जा रहा है।

दो वर्ष पूर्व ठण्डी सड़क क्षेत्र स्थित पाषाण देवी मन्दिर के समीप पहाड़ी पर हुए भूस्खलन रोकथाम के लिये बार-बार कहा जा रहा था। अगस्त 2021 में ठण्डी सड़क की पहाड़ी पर भारी नुकसान हुआ था। पहाड़ी से मलबा और बोल्डर इस सड़क और झील में गिरा। पहाड़ी के ठीक ऊपर स्थित डीएसबी परिसर के केपी छात्रावास पर भी खतरा बढ़ गया था। लोनिवि और सिंचाई विभाग ने भूस्खलन रोकथाम की वैकल्पिक व्यवस्था तो की परन्तु भूस्खलन नहीं रुक रहा था। इसके लिये प्रोजेक्ट बनाकर शासन को भेजा गया। दो साल के इन्तजार के बाद शासन ने इसे स्वीकृत किया। सिंचाई विभाग ने बताया है कि इसे 12. 34 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति दी है।

बदरीनाथ मास्टर प्लान ने पकड़ी गति

गोपेश्वर। बदरीनाथ मास्टर प्लान के संचालित पुनर्निर्माण कार्यों ने गति पकड़ ली है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता के साथ पूरा करने पर जोर दिया। डीएम ने प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट बदरीनाथ मास्टर प्लान के अन्तर्गत रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, सिविक एमिनिटी सेन्टर, आईएसबीटी, लेक फ्रंट, आइवल प्लाज एवं हास्पिटल एक्सटेंशन कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने को कहा।

पुरानाथल-मुवानी पुल बनने से सुगम

बेरीनाग। पुरानाथल-मुवानी मोटर मार्ग पर रामगंगा नदी के ऊपर पुल बनने से दर्जनों ग्रामों के लिये सुगमता हो गई है। साथ ही बेरीनाग से पिथौरागढ़ का सफर करीब बीस किमी कम हो गया है।

क्षेत्रवासियों द्वारा लम्बे समय से पुल की मांग की जा रही थी। पुल न बन पाने के कारण लोगों को उडियारी बैंड व थल होते हुए जिला मुख्यालय जाना होता था। पुरानाथल क्षेत्र के लिये यह सफर अब आसान हुआ है।

जन समस्या को देखते हुए तत्कालीन विधायक मीना गंगोला ने शासन के सम्मुख इस मांग को रखा था और 11 करोड़ 64 लाख रुपये की धनराशि इसके लिये स्वीकृत होने के बाद 90 मीटर पुल का शिलान्यासा किया गया। पुल निर्माण का कार्य विश्वबैंक खण्ड यूडीआरपीएफ बेरीनाग द्वारा किया गया। रामगंगा नदी पर इस पुल बनने से मुवानी क्षेत्र में भी काफी गतिविधियां बढ़ेंगी।

आपदा झेल रहे ग्रामीणों की सुन लो

थल/नाचनी। वर्ष 2013 से आपदा की मार झेल रहे भण्डारी गाँव के ग्रामीणों को अब तक किसी प्रकार की सहायता नहीं मिली है। 2013 की आपदा में कई मकान क्षतिग्रस्त हो गये थे, कई मकानों में दरारें हैं। साथ ही लगातार आपदा झेल रहे ग्रामीणों की सुध नहीं ली गई है। यहाँ किसी प्रकार का मुआवजा तक नहीं दिया गया। ग्रामीण कई बार शासन प्रशासन से मदद की गुहार लगा चुके हैं।

नाराज व परेशान ग्रामीणों ने अब तहसील मुख्यालय मुनस्यारी पहुँचकर उपजिलाधिकारी को अपनी आपबीती बताई और प्रभावितों को मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने क्षतिग्रस्त प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केन्द्र का पुनर्निर्माण कराए जाने की भी मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि सप्ताह भर के भीतर उनकी मांगों का समाधान नहीं किया जाता है तो जिला मुख्यालय जाकर धरना प्रदर्शन किया जायेगा। उपजिलाधिकारी को ग्राम की समस्याएं बताने के लिये नारायण सिंह, नरेन्द्र राम सहित तमाम ग्रामीण उपस्थित थे।

पहाड़ी उत्पादों का विपणन

रुद्रप्रयाग। जनपद में महिला समूहों द्वारा तैयार किये जा रहे उत्पादों की उचित बिक्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीएम सशक्त बहना उत्सव योजना के तहत जिले के तीनों विकासखण्डों में ग्रामीण उद्यम वेग बुद्धि परियोजना रीप के माध्यम से विपणन किया जा रहा है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पर्यावरण से खिलवाड़ पर एनजीटी अनरूप या विरुद्ध

हरीश चन्द्र अन्डोला

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की फटकार के राज्य प्रदूषण बोर्ड ने पर्यटन विभाग से कुमाऊँ में मानकों के अनुरूप या विरुद्ध संचालित होटलों-होम स्टे तथा रेस्टोरेंट का ब्यौरा मांगा है। पीसीबी को होटलों के साथ ही रेस्टोरेंट व होमस्टे पंजीकरण, कमरों की संख्या, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट व सोकपिट की स्थिति, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन निस्तारण के इन्तजाम के बारे में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में तीन माह के भीतर रिपोर्ट दाखिल करनी है। उधर पीसीबी के पत्र से पर्यटन विभाग में कार्मिकों की कमी की वजह से असमंजस बना है। एनजीटी ने नैनीताल में पेड़ों के अवैध कटान से सम्बन्धित शिकायती पत्र को याचिका के रूप में संज्ञान लेते हुए करीब डेढ़ सौ होटलों का सीवरेज व कूड़ा झील में जाने को एनजीटी ने बेहद गम्भीरता से लिया था। नैनीताल में भले ही आवासीय भवन तथा होटल-रेस्टोरेंट सीवरेज से जुड़े हों लेकिन एनजीटी में सरकार की ओर से यह तथ्य मजबूती से नहीं रखा गया। अब इस मामले में एनजीटी की फटकार के बाद प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी की ओर से नैनीताल के साथ ही अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत के जिला पर्यटन अधिकारी को पत्र लिखकर बताया है कि होटल-रेस्टोरेंट-होम स्टे का राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमानुसार व्यवस्थाएं स्थापित कर संचालन की सहमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य है। पर्यटन विभाग में पंजीकृत होटल-रेस्टोरेंट व होम स्टे में रूम-बेड, सीटों- की स्थिति, सोकपिट की स्थिति, ठोस अपशिष्ट या कूड़ा-कचरा निस्तारण के इन्तजाम के बारे में ब्यौरा मांगा गया है। माना जा रहा है कि इस बहाने पहाड़ में अवैध रूप से संचालित होटलों को भी पंजीकरण का आसान रास्ता मिल गया है। कुमाऊँ में पर्यटन विशेषज्ञों के अनुसार करीब पाँच हजार के आसपास होटल-होम स्टे संचालित हैं। पीसीबी के नियमानुसार 20 कमरों से अधिक के होटल में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जबकि 20 से कम में सोकपिट होना चाहिए। हाई कोर्ट में विचाराधीन जनहित याचिका में पारित आदेश के अनुसार होटलों सहित होम स्टे-रेस्टोरेंट में कूड़ा निस्तारण का पुख्ता इन्तजाम होना चाहिए। नैनीताल होटल एण्ड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष के अनुसार नैनीताल में सवा सौ से अधिक पंजीकृत होटलों ने पीसीबी में पंजीकरण के लिए आवेदन बहुत पहले ही कर दिया था जबकि नैनीताल में घरों, होटल-रेस्टोरेंट सीवरेज लाइन से जुड़े हैं। रूसी में नया सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बन रहा है। होटलों-रेस्टोरेंट या घरों का सीवरेज किसी दशा में झील में ना जाए, यह सुनिश्चित करना लोकल बॉडी की जिम्मेदारी है।

कुमाऊँ में कहीं निकायों या अन्य सरकारी संस्था में होटल-रेस्टोरेंट, होम स्टे पंजीकृत हैं, आपसी समन्वय से एक स्थान पर पंजीकरण का तंत्र हो, इसलिए पर्यटन विभाग से जानकारी मांगी गई है, जो अब तक नहीं मिली है। सीवरेज से सम्बन्धित मामला एनजीटी में भी विचाराधीन है। जीवनदायी हिमालय से खिलवाड़ नहीं रुका तो भविष्य और मुश्किल होगा होगा। सभी राज्यों या केन्द्र शासित प्रदेशों ने अपने यहाँ के पर्यावरण के हालात पर जो रिपोर्ट पेश किया है, उसके अनुसार जल संसाधन प्रदूषित हैं, वायु प्रदूषण की गम्भीर समस्या है, भूजल की गहराई बढ़ती जा रही है। प्रदूषण का असर मानव स्वास्थ्य के साथ साथ जन्तुओं और वनस्पतियों पर भी पड़ रहा है।

एनजीटी के आदेशों के बाद ही राज्यों की नींद खुलती है और फिर याचिका से सम्बन्धित आधा-अधूरा काम करते हैं। एनजीटी ने अपने निर्देश में सभी राज्यों को प्रयावरण संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं और फिर इसके अनुपालन पर चर्चा करने के लिए जुलाई से सितम्बर के बीच फिर से सभी प्रमुख सचिवों को व्यक्तिगत तौर पर एनजीटी में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। इस निर्देश के अनुसार हरेक राज्य को तीन शहर और तीन कस्बों को पर्यावरण संरक्षण के सन्दर्भ में मण्डल शहर/कस्बा का चयन करने का निर्देश दिया है। इसी तरह हरेक जिले में तीन गाँव का भी चयन किया जाएगा। एनजीटी ने वर्षा जल संरक्षण और जल संसाधनों के संरक्षण से सम्बन्धित निर्देश भी दिए हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि क्या पर्यावरण संरक्षण के सन्दर्भ में देश के संस्थान कुछ करेंगे?

चुनाव के बहाने खूब गरजे नेतागण

प्रथम पृष्ठ का शेष

से भारत ने दुनिया को दिखा दिया कि चन्दामामा दूर के नहीं रहे। यह देश के लिये गौरव की बात है।

भाजपा को लोगों के दु:ख-दर्द से नहीं है सरोकार : गणेश गोदियाल

अखिल भारतीय कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस गणेश गोदियाल ने कहा कि पर्वतीय जनपदों में अतिक्रमण के नाम पर की जा रही तोड़फोड़ प्रताड़ना ही है। सरकार लोगों के परम्परागत हक-हकूक छीनने व पलायन को मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा पहाड़ के 90 फीसदी लोग नजूल भूमि पर सदियों से निवास करते आ रहे हैं। बरसों पुरानी निर्मित सड़कों के किनारे छोटे-मोटे व्यवसाय कर रहे हैं, सरकार इन्हें उजाड़ने पर तुली है। गोदियाल ने कहा कि इस सरकार को पहाड़ी जिलों के लोगों के दु:ख दर्द से कोई सरोकार नहीं है। सरकार को पर्वतीय जनपदों के लिये अलग नीति बनानी चाहिये।

बागेश्वर में खुलकर धनबल और बाहुबल का प्रयोग हुआ : गरिमा दशौनी

कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा दशौनी ने कहा कि बागेश्वर उपचुनाव में भापजा की ओर से खुलकर धनबल और बाहुबल का प्रयोग हुआ। बागेश्वर की जनता भाजपा के भाषणों और जुमलों से परेशान हो चुकी है। ये कभी न पूरे होने वाले लम्बे चौड़े वायदे कर माहौल बनाते रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल तोड़ने के लिये उन्हें प्रताड़ित किया गया।

कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति पर विश्वास करती है : रेखा आर्य

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति पर विश्वास करती है। भाजपा शासनकाल में बागेश्वर विधानसभा में ऐतिहासिक काम हुआ है। इस कार्य का लाभ पार्टी को मिलना है। भाजपा हर वर्ग के विकास के लिये प्रतिबद्ध है।

सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अन्तिम व्यक्ति को मिल रहा : धन सिंह

कबीना मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ अब समाज के अन्तिम व्यक्ति को पहुँचने लगा है। पर्वतीय क्षेत्र के लोग आयुष्मान कार्ड से हल्द्वानी के निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं। पूरे प्रदेश में 22 हजार शौचालय बनाए गये हैं।

पाप का घड़ा भर चुका है : यशपाल

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि पाप का घड़ा भर चुका है, जिसे जनता समझने लगी है। जिस प्रकार के षड्यन्त्र सत्ता पक्ष द्वारा किये जा गये हैं वह जनता को बहुत दिनों तक नहीं ठग सकते हैं। किसी भी अति की इति होती है और अपने मद में चूर लोगों को जनता सबक सिखाएगी।

गंगा आर्य सहित १७ शिक्षकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

देहरादून। शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) द्वारा भटीगाँव, बेरीनाग में कार्यरत शिक्षिका गंगा आर्य सहित 17 को सम्मानित किया गया है। प्रतिवर्ष दिये जाने वाले शैलेश मटियानी राज्य शैक्षिक पुरस्कार से सम्मानित होने वालों में प्रारम्भिक शिक्षा में पौड़ी जिले से आशा बुडाकोटी, उत्तरकाशी से संजय कुमार कुकसाल, देहरादून से ऊषा गौड़, हरिद्वार से संजय कुमार, टिहरी से उत्तम सिंह राणा, चम्पावत से रवीश चन्द्र पंचौली, बागेश्वर से सुरेश चन्द्र सती, पिथौरागढ़ से गंगा आर्य एवं नैनीताल से आशा बिष्ट हैं। माध्यमिक शिक्षा में उत्तरकाशी से लोकेन्द्र पाल सिंह, देहरादूनसे संजय कुमार, पिथौरागढ़ से दमयन्ती चन्द, बागेश्वर से त्रिभुवन चन्द, अल्मोड़ा से प्रभाकर जोशी, उधम सिंह नगर से निर्मल कुमार को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा प्रशिक्षण संस्थान से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बागेश्वर के प्रवक्ताा डॉ. शैलेन्द्र सिंह धपोला को सम्मानित किया गया। उक्त पुरस्कारों की घोषणा फरवरी में की गई थी।

नन्दादेवी राजजात स्थल वाण के सौन्दर्यीकरण के लिये एक करोड़, नगनीधुरा एवं मिलम ट्रेकिंग रूट के लिये ८०.४६ लाख स्वीकृत

डीडीहाट के बारमौ में श्री खंडेनाथ स्वामी मन्दिर के प्रांगण में शिवलिंग की स्थापना के लिये ५६.८० लाख, सप्तेश्वर में सौन्दर्यीकरण के लिये ९३.३८ लाख स्वीकृत

देहरादून। सीएम पुष्कर धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत विकासखण्ड देवाल के नन्दादेवी राजजात स्थल पंचायती चौक वाण के सौन्दर्यीकरण के लिये एक करोड़ की धनरशि स्वीकृति की है। उन्होंने विधानसभा डीडीहाट के ग्राम बारमौ में श्री खण्डेनाथ स्वामी मन्दिर के प्रांगण में शिवलिंग की स्थापना के लिए 56.80 लाख रुपये स्वीकृत किये हैं। इसी क्रम में अल्मोड़ा की देवी मन्दिर एवं जौरासी देवी मन्दिर के सौन्यर्दीकरण के लियेए करोड़, विधानसभा क्षेत्र खटीमा के अन्तर्गत देवरी बाबा दरियानाथ प्रांगण में बहुउद्देशीय भवन निर्माण के लिए 84.43 लाख, विधानसभा क्षेत्र चम्पावत के सप्तेश्वर महादेव मन्दिर स्थल के सौन्दर्यी करण एवं स्नान घाट निर्माण के लिये 93.38 लाख रुपये, पुरोला के अन्तर्गत विकास खण्ड मोरी की ग्राम पंचायत सरास में जागा माता मन्दिर के सौन्दर्यीकरण एवं सार्वजनिक शौचालय के निर्माण के लिये 91.11 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने गढ़वाल एवं कुमाऊं में एक-एस नशामुक्ति केन्द्र की स्थापना के लिये 57 लाख, विधान सभा पिथौरागढ़ में पातो से नगनीधुरा एवं मिलम से मिलम ग्लेशियर ट्रैकिंग रूट के लिए 80.46 लाख रुपये स्वीकृत किए हैं। साथ ही चम्पावत में बनबसा-टनकपुर-चम्पावत घाट तक राष्ट्रीय राजमार्ग में सात स्थलों पर हिलांस आउटलेट के निर्माण को 8. 66 लाख, अल्मोड़ा के मुंशी हरप्रिसाद टम्टा धर्मशाला और क्राफ्ट म्यूजियम के निर्माण के लिये 69.82 लाख की वित्तीय स्वीकृति व प्रशासनिक स्वीकृति दी है। साथ ही उन्होंने पशुपालन विभा गे पैरावेट कर्मियों के जनहित की योजनाओं में सहयोग करने वाले कर्मियों को 100 रुपये राशि स्वीकृति प्रदान की है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

नन्दादेवी मेले व जन्माष्टमी की शुभकामनाएं-

राहुल सिंह जंगपांगी

मधुवन इनक्लेव, फेज-२, गैसगोदाम रोड

कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी

भरत सिंह गड़िया

ग्राम हिचौड़ी, पो.कपकोट

निकट- खिरगंगा पुल (बागेश्वर)

सुरिंग पुल का उद्घाटन तो हो चुका लेकिन यातायात में असुविधा है

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

मुनस्यारी। सीमा क्षेत्र की सड़क व संचार व्यवस्था को दुरुस्त करने का केन्द्र सरकार का अभियान जारी है लेकिन इसमें हो रही लेट-लतीफी अभियान को पलीता लगा रही है। ऐसा ही हाल सुरिंग पुल का है, जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा किया गया था। इस पुल का महत्व यह है कि माइग्रेशन के समय 6 माह निवास करने के लिये आम जनता, सीमा सुरक्षा बल, सभी जाते हैं परन्तु पुल के पास हाल यह है कि काफी असुविधा हो रही है। मल्ला जोहार विकास समिति के अध्यक्ष श्रीराम सिंह धर्मशक्तू ने शासन-प्रशासन का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा है पुल किस प्रकार बनाया जाए, इसके लिये विभागीय व इंजीनियर लगे होंगे फिर ऐसी क्या बात है कि जिस पुल का उद्घाटन देश के रक्षा मंत्र कर रहे हों उस स्थान पर जनता परेशानी उठा रही है। इस पुल के पास निकट के गांव लीलम, बुईपातू, साईपोलू में असुविधा हो रही है। इसके लिये तुरन्त अग्रिम कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

माफी के बाद शान्त हुआ गुंजी, सहयोग की अपील

धारचूला। गुंजी में तैनात बीआरओ की महिला कमान अधिकारी द्वारा जनता से माफी मांगने के बाद सीमान्त क्षेत्र शान्त है। बीआरओ अधिकारियों द्वारा कार्य में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता देने और स्थानीय समस्याओं का ग्रामीणों के साथ्ज्ञ मिल कर समाधान करने के आश्वासन पर तीन दिन तक सुलगता रहा आन्दोलन रुका। दरअसल कमान अधिकारी भावना चौधरी ने उनसे मिलने गये ग्रामीणों के प्रतिनधि मण्डल से जिस तरह से बातचीज की, उससे ग्रामीण भड़क गये थे। आरोप है कि भावना मैडम ने अभद्र व्यवहार व जनजातीय परम्परा को लेकर ऊल-जलूल कह दिया। इसी बात को लेकर चारों ओर प्रदर्शन होने लगा। गुंजी में भड़के आन्दोलन के दौरान थानाध्यक्ष के साथ भी धक्का मुक्की हुई।

बीआरओ के मुख्य अभियन्ता विमल गोस्वामी ने गुंजी आकर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। प्रदर्शनकारियों ने बैठक में पहुंच कर कहा कि बीआरओ तानाशाही कर रहा है। उन्होंने महिला कमान अधिकारी द्वारा परम्पराओं को लेकर की गई टिप्पणी पर माफी मांगने की मांग की। मुख्य अभियन्ता सुबह ज्योलिंकोंग चले गए थे और वार्ता के समय दोपहर बाद कर दिया गया। बीआरओ अधिकारियों के गुंजी लौटने पर ग्रामीणों के साथ वार्ता हुई। बैठक में कमान अधिकारी भावना चौधरी ने माफी मांग और कहा कि उनके लिए उनके अधिकारी द्वारा माफी मांगना भी शर्म की बात है। साथ ही उन्होंने ग्रामीणों को सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि रोजगार के लिये स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जायेगी। साथ ही गांवों की समस्याओं का बीआरओ और ग्रामीणों द्वारा मिल कर समाधान करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने भी सहयोग की बात कही। वार्ता में पूर्व चैयरमैन अशोक नबियाल, राजन नबियाल, मदन नबियाल, प्रधान सनम नबियाल, अंजू रौंकली, सुरेश गुंज्याल, सरपंच लक्ष्मी गुंज्याल, बीडीसी सदस्रू प्रियंका गुंज्याल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुनस्यारी में असामाजिक तत्वों को रोका जाए

मुनस्यारी। पर्यटन नगरी मुनस्यारी में असामाजिक तत्वों द्वारा की जा रही बदमाशी को रोकने की मांग की गई है। नई घटना बलवन्त सिंह लस्पाल के साथ हुई है, जिन पर घातक हमला हुआ। मल्ला जोहार विकास समिति ने पुलिस प्रशासन को असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा क्षेत्र में पुलिस की अतिरिक्त तैनाती की मांग जिला प्रशासन से की है।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)